अव्यक्त पालना का रिटर्न

कर्मातीत स्थिति

1 जितना लास्ट स्टेज (सेंज ै जंहम) अथवा कर्मातीत स्टेज समीप आती जाएगी उतना आवाज से परे शान्त स्वरूप की स्थिति अधिक प्रिय लगेगी इस स्थिति में सदा अतीन्द्रिय सुख की अनुभूति हो।

2 इसी अतीन्द्रिय सुखमय स्थिति द्वारा अनेक आत्माओं का सहज ही आह्वान कर सकेंगे हैं।

3 यह पॉवरफुल (*Powerful*) स्थिति 'विश्व–कल्याणकारी स्थिति' कही जाती है।

4 जैसे आजकल साईन्स के साधनों द्वारा सब चीजें समीप अनुभव होती जाती हैं – दूर की आवाज टेलीफोन के साधन द्वारा समीप सुनने में आती है, टी.वी. (दूर दर्शन) द्वारा दूर का दृश्य समीप दिखाई देता है, ऐसे ही साईलैन्स की स्टेज द्वारा कितने भी दूर रहती हुई आत्मा को सन्देश पहुँचा सकते हो?

5 वो ऐसे अनुभव करेंगे जैसे साकार में सम्मुख किसी ने सन्देश दिया है।

07.01.77

प्रश्न हमारे, उत्तर बापदादा के

प्रश्न :- मीठे बाबा, "कम खर्च बाला नशीन' बनने के सम्बन्ध में आज का इशारा क्या है?"

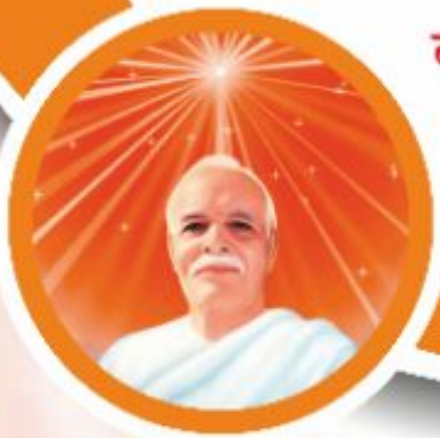

उत्तर :- मीठे बच्चे, 'कम खर्च बाला नशीन' बनने के संबन्ध आज बाबा का इशारा है कि -

1. कहा जाता है - साइलेन्स इज़ गोल्ड (Silence Is Gold), यही गोल्डन ऐजड स्टेज (Golden Aged Stage) कही जाती है। इस स्टेज पर स्थित रहने से 'कम खर्च बाला नशीन' बनेंगे।

2. समय रूपी खज़ाना, एनर्जी का खज़ाना और स्थूल खज़ाना में 'कम खर्च बाला नशीन' हो जायेंगे।

3. इसके लिए एक शब्द याद रखो। वह कौन-सा है। बैलेन्स' (Balance)। हर कर्म में, हर संकल्प और बोल, सम्बन्ध वा सम्पर्क में बैलेन्स हो।

4. तो बोल, कर्म, संकल्प, सम्बन्ध वा सम्पर्क साधारण के बजाए अलौकिक दिखाई देगा अर्थात् चमत्कारी दिखाई देगा।

07.01.77

मन की बात... बापदादा के साथ

मैं आत्मा :-

मीठे बाबा, बच्चों की आदि स्वरूप की महिमा क्या क्या है?

बापदादा :-

प्यारे बच्चे, बच्चों की आदि स्वरूप की महिमा है :-

- सर्वगुण सम्पन्न,
- सोलह कला सम्पूर्ण,
- सम्पूर्ण निर्विकारी,
- मर्यादा पुरूषोत्तम,
- सम्पूर्ण आहिंसक
- यह महिमा है अन्तिम फरिश्ते स्वरूप की अर्थात् भविष्य आदी स्वरूप की
- जैसे ब्रह्मा सो श्री कृष्ण कहते हैं वैसे अन्तिम फरिश्ता सो देवता। तो यह है आदि स्वरूप की महिमा।

07.01.77

7-1-77 अव्यक्त वाणी का मुख्य बिंदु

जैसे आजकल साईन्स के साधनों द्वारा सब चीजे अनुभव होती है

दुर की आवाज टेलीफोन के साधन द्वारा समीप सुनने मे आती है

TV द्वारा दुर का दृश्य समीप दिखाई देता है,

ऐसे ही silence की स्टेज द्वारा कितने भी दुर रहती हुई आत्मा को संदेश पहुँचा सकते हो

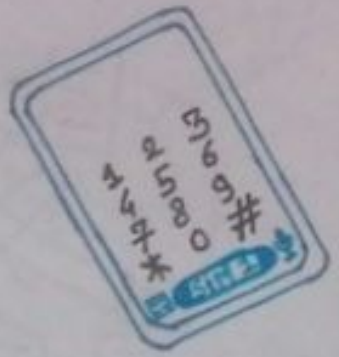

07-01-77 की अव्यक्त वाणी से स्वमान

मैं महिमा के योग्य आत्मा हूँ।

महिमा के योग्य अर्थात् अनादि स्वरूप, आदि स्वरूप, वर्तमान ब्राह्मण जीवन की महिमा से महान बनने वाली। सदा अथक, सदा जागती ज्योत।

07-01-77

विश्व-कल्याणकारी कैसे बनें?